विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण **9 सितम्बर 2020**

वर्ग षष्ठ **राजेश कुमार पाण्डेय**

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

प्यारे बच्चों आज आप लोगों को संख्या के विषय में बताएंगे।

7. संख्या

वस्तुओं की गणना (गिनती) करणे या क्रम बताने के लिए संख्यावाचक शब्दों का प्रयोग होता है।

संख्या

गणनावाचक	**क्रमवाचक**
(एकः, द्वौ, त्रयः आदि।)	**(प्रथमः द्वितीयः, तृतीयाः आदि)**

गणनावाचक संख्या जितने पदार्थें का बोध कराती है, उनका प्रयोग उसी वचन में होता है। 'एक' शब्द के लिए एकवचन 'द्वि' शब्द के द्विवचन तथा 'त्र' एवं उनके आगे के शब्दों में बहुवचन का प्रयोग होता है। परन्तु क्रमवाचक शब्दों से केवल एक ही वस्तु का बोध होता है, इसलिए उमका प्रयोग केवल एकवचन में होता है।

विशेष - एक से चार तक संख्याएँ तीनों लिङोग में लिखी जात हैं अर्थात् संख्यावाचक विशेषण शब्दों के लिङग उनके विशेष्य पदों के लिङोग के अनुसार ही होता है। इन्हे नीचे दिये गये उदाहरणों के मध्यम से समझा जा सक्ता है -